तेरी भोरी सी सूरतिया ...

(ये) तेरी भोरी सी सूरतिया मेरे मन में गई समाय
रे साँवरिया नन्द किशोर ।।

मोर मुकुट कटि काँछनी सोहे, गल बैजंती माल
कानन कुंडल नासा मोती, और घुंघरारे बाल
ये तेरे नैना बड़े रसीले, मेरे मन के हैं चितचोर ।।1।। रे ...

एक दिन मिल गया मोहे डगर में, बरबस लई बुलाय
कर बरजोरी मोरी बैंया मरोरी, मंद-मंद मुसकाय
माखन की मटकी फोर के फिर वो, हंसन लग्यो मुख मोर ।।2।। रे ...

बाँके बिहारी को देखे बिना अब, परे ना मोकूँ चैन
जा दिन वाकी झांकी पाऊँ, सफल होय मेरे नैन
मैं वारी कुँज बिहारी तेरे चरण कमल चितचोर ।।3।। रे ...

http://www.govindbhargav.in